हिन्दी साप्ताहिक

Title Code:- UTTBIL00534

# उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -01 ♦ अंक-37 ♦देहरादून - रविवार 20 जुलाई 2025 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्यः 1/-

## जो भारत का नागरिक नहीं, उसके खिलाफ होगा एक्शन

दुर्गापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में आयोजित एक रैली को संबोधित किया है। इस दौरान पीएम मोदी ने घुसपैठियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीएम मोदी ने रैली के दौरान कहा है कि टीएमसी ने घुसपैठियों के पक्ष में मुहिम शुरू कर दी है और टीएमसी की साजिश पूरे देश में उजागर हो गई है। उन्होंने आगे कहा तृणमूल की सरकार घुसपैठियों के समर्थन में खुलकर आ गई है लेकिन जो भी इस देश का नागरिक नहीं है, उसके खिलाफ एक्शन जरूर लिया जाएगा।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में करीब 5,400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी है। इनमें तेल और गैस, बिजली, रेल और सड़क से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। दुर्गापुर रैली में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने राज्य की ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीएम मोदी ने कहा है कि टीएमसी के गुंडा राज की वजह से पश्चिम बंगाल में निवेश नहीं आ पा रहा है और राज्य का विकास नहीं हो रहा है।



विकास परियोजनाओं पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि बीजेपी ने पश्चिम बंगाल के लिए बड़े सपने देखे हैं। उन्होंने कहा, "बीजेपी एक विकसित पश्चिम बंगाल बनाना चाहती है। बीजेपी एक समृद्ध पश्चिम बंगाल का निर्माण करना चाहती है। ये सारी परियोजनाएं इन सपनों को पूरा करने का ही एक प्रयास है।"

पीएम मोदी ने बताया कि भारत के बदलते इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से दुनिया आज भारत के विकास की चर्चा कर रही है। सड़क, रेल, गैस, हवाई अड्डों जैसे बुनियादी ढांचे में हो रहा परिवर्तन 'विकसित भारत' की नींव रख रहा है। दुर्गापुर में भी इन परियोजनाओं के जरिए एक नया युग शुरू हो रहा है, जिससे लोगों की जिंदगी आसान और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया आज पूरा देश एक ही लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है। इस दौरान उन्होंने तीन मूल मंत्र भी दिए और कहा कि इसका रास्ता सिर्फ विकास से सशक्तिकरण, रोजगार से आत्मनिर्भरता और संवेदनशीलता से सुशासन है।

## मुख्यमंत्री धामी ने किया हिंदी फिल्म "5 सितम्बर" का पोस्टर लॉन्च

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में हिंदी फिल्म "5 सितम्बर" का पोस्टर लॉन्च किया। यह फिल्म पूर्णतः उत्तराखंड में फिल्माई गई है तथा राज्य की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय प्रतिभा को राष्ट्रीय पटल पर प्रदर्शित करने का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की फिल्में न केवल उत्तराखंड की प्रतिभा को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि पर्यटन एवं सांस्कृतिक संवर्धन में भी सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने फिल्म निर्माण टीम को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह फिल्म दर्शकों के मन को छूने में सफल होगी। सीएम ने कहा कि उत्तराखंड फिल्म निर्माण का पसंदीदा गंतव्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार फिल्म नीति के तहत हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है, ताकि अधिक से अधिक निर्माता-निर्देशक उत्तराखंड की धरती पर फिल्म निर्माण करें और राज्य के युवाओं को रोजगार और मंच प्राप्त हो। इस अवसर पर फिल्म के डायरेक्टर कुनाल शमशेर मल्ला, कलाकार संजय मिश्रा, ब्रिजेंद्र काला, ऋषभ खन्ना, भुवन खन्ना और दीपराज राणा मौजूद थे।

## उत्तराखण्ड में निवासरत बिहार राज्य के मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरने की अपील

देहरादून। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान आगामी 25 जुलाई, 2025 तक चलेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, बिहार द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखण्ड को प्रेषित पत्र में उत्तराखण्ड राज्य में निवासरत बिहार के मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरने की अपील की है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि बिहार के कई मतदाता अस्थायी रूप से बिहार के बाहर निवासरत है जो ऑनलाइन माध्यम अथवा परिवार के सदस्यों के सहयोग से गणना प्रपत्र भर सकते है। उन्होंने कहा कि 01 अगस्त, 2025 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट रोल प्रकाशित किया जाएगा और 1 अगस्त, 2025 से 01 सितंबर, 2025 तक दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बिहार से बाहर अस्थायी रूप से निवासरत मतदाता भी अपने मोबाइल फोन, वेबसाइट ीजजचेः//अवजमतेण्मबपण्हवअण् पद या ईसीआई नेट ऐप (म्ब्प्छम्ज ।चच) के माध्यम से ऑनलाइन गणना प्रपत्र स्वयं भर सकते हैं। इसके अलावा वे प्री-फिल्ड फॉर्म डाउनलोड कर हस्ताक्षरित प्रति को व्हाट्सएप, ईमेल या अन्य माध्यम से अपने बीएलओ तक भेज सकते हैं, या परिवार के सदस्य के माध्यम से बीएलओ को भेज सकते हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण में गणना प्रपत्र भरने हेतु निम्न 11 दस्तावेजों में से कोई भी संलग्न किया जा सकता हैः

1. किसी भी केन्द्रीय / राज्य सरकार / च्ैन्‍ के नियमित कर्मचारी / पेंशनधारी को जारी पहचान पत्र या च्च्व
2. 01.07.1987 से पूर्व भारत में किसी सरकारी/स्थानीय निकाय/बैंक/डाकघर/स्प्ब्/च्ैन्‍ द्वारा जारी कोई दस्तावेज
3. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र
4. पासपोर्ट
5. मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालय द्वारा जारी शैक्षणिक प्रमाणपत्र
6. सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र
7. वन अधिकार पत्र
8. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र
9. नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर (जहाँ उपलब्ध हो)
10. राज्य / स्थानीय प्राधिकारी द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर
11. सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण पत्र

### मुख्यमंत्री ने किया वेटलिफ्टर मुकेश का सम्मान

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में वेटलिफ्टर मुकेश पाल ने भेंट की। मुकेश पाल ने अमेरिका के बर्मिंघम (अलाबामा) में 27 जून से 07 जुलाई, 2025 तक आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए रजत एवं कांस्य पदक जीतकर देश और उत्तराखंड का नाम गौरवान्वित किया है। मुकेश पाल वर्तमान में सीआईडी, हल्द्वानी में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### हमने तेजपत्ता के पेड़ लगवाए थे, अब खरीददार नहीं: रावत

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि सरकार ने पहले किसानों से तेजपत्ता के पौधे लगवाए। अब जब वह पेड़ बन गए हैं, तब उनकी मार्केटिंग नहीं हो पा रही है। किसानों ने तीन-तीन साल से पत्ते रोककर रखे हैं, लेकिन कोई खरीददार नहीं मिल रहा है। अल्मोड़ा जिले में स्थिति अपने गांव मोहनरी पहुंचे पूर्व सीएम ने सोशल मीडिया में वहां के किसानों की व्यथा साझा की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015-16 में हमारी सरकार ने यहां आसपास के गांवों व्यापक स्तर पर तेजपत्ता के पौधे लगवाए थे। कुछ क्षेत्रों को तेजपत्ता गांव के रूप में घोषित भी किया था। यदि यही स्थिति रही तो सरकार जिन चीजों का प्रचार कर रही है, यदि उनके खरीददार नहीं रहेंगे, तो फिर लोग कैसे आगे बढ़कर इन चीजों को लगाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यह अकेले तेजपत्ते की मार्केटिंग की बात नहीं है।

### बेरोजगार फार्मासिस्ट एसोसिएशन की इंदु जिलाध्यक्ष बनीं

देहरादून। बेरोजगार डिप्लोमा फार्मासिस्ट एलोपैथिक संघ ने देहरादून जिले की नई कार्यकारिणी का गठन किया है। इंदु भंडारी को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। एसोसिएशन के पहले प्रांतीय अधिवेशन के बाद दून जिले की नई कार्यकारिणी गठित करने का निर्णय लिया गया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुध ीर रावत ने बताया कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष इंदु भंडारी के साथ प्रियंका पैन्यूली उपाध्यक्ष, आशीष पुरोहित महामंत्री और विकास जगूड़ी सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे। नीलम धीमान को कोषाध्यक्ष, पूजा कोटनाला को मीडिया प्रभारी के साथ ही वंदना भंडारी को जिला संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

# सम्पादकीय

## हरेला पर्व पर राज्यव्यापी वृक्षारोपण

"हरेलोत्सवः सदा शोभनोऽयं,
संस्कृतिं प्रकृतिं च संयोजयन् ।
वृक्षारोपणं धर्म एव नित्यं,
पर्यावरणं रक्षिता वयं स्यातृ।।"
अर्थात

पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण को समर्पित,हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है। अतीत से यह हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी कोघ याद दिलाता है।

लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर देहरादून में "हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ" थीम पर आयोजित कार्यक्रम हुए जिसका राज्य भर में विस्तार हुआ।पर्यावरण संरक्षण के भाव जगाने वाला हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है, जो हमें पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। हरेला पर्व के दिन वृक्षारोपण महाभियान में सरकार द्वारा जनसहभागिता, स्वयंसेवी संगठनों, छात्र-छात्राओं, महिला समूहों और पंचायतों का सहयोग लिया गया।

उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से समृद्ध राज्य है,जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से संचालित हो रहे 'पंचामृत संकल्प', 'नेट जीरो इमिशन', 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' और 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभियान बेहद महत्वपूर्ण है।

उत्तराखंड राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (SARRA) का गठन किया गया है। इसके माध्यम से अब तक 6,500 से अधिक जल स्रोतों का संरक्षण और 3.12 मिलियन घन मीटर वर्षा जल का संचयन किया गया है। राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है और वाहनों में कूड़ेदान अनिवार्य कर दिया गया है।

आह्वान किया गया कि जीवन के विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें, जिससे पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन बनाया जा सके। उत्तराखंड में श्रावण मास में हरेला पूजन के उपरांत वृक्षारोपण करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जो हमारी सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रमाण है। हरेला पर्व हमें यह सिखाता है कि प्रकृति की रक्षा करना केवल दायित्व नहीं, बल्कि एक पुनीत कर्तव्य है। भूमि जल स्तर में हो रही गिरावट गंभीर चिंता का विषय है।इसके लिए हमें पौधारोपण एवं जलधाराओं के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने होंगे।

देवभूमि उत्तराखंड की चतुर्दिक प्रगति हो, हर तरफ खुशियां हों , प्रकृति में हर तरफ हरियाली हो, यही ईश्वर से कामना है। उत्तराखंड को श्रेष्ठ राज्य बनाने के उद्देश्य से परिपूर्ण प्रतिपल हमारे प्रयास अहर्निश जारी रहेंगे।।

जय देवभूमि उत्तराखण्ड!!जय भारत !!

डॉ.( श्रीमती )गार्गी मिश्र

# पूंजी का पलायन रोकने के हों प्रयास

रिजर्व बैंक की कमेटी ने संस्तुति की है कि देश को पूंजी के मुक्त आवागमन की छूट देनी चाहिए। यानी विदेशी निवेशक भारत में स्वच्छंदता से आ सकें और भारतीय निवेशक अपनी पूंजी को स्वच्छंदता से भारत से बाहर ले जाकर निवेश कर सकें, ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए। कमेटी का कहना है इसके चार लाभ हैं। पहला यह कि देश में पूंजी की उपलब्धि बढ़ जाएगी। यह सही है कि विदेशी पूंजी का भारत में आना सरल हो जाएगा। जो विदेशी निवेशक भारत में निवेश करेंगे उनके लिए समय क्रम में अपनी पूंजी को निकाल कर अपने देश वापस ले जाना आसान हो जाएगा। लेकिन यह दोधारी तलवार है। यदि विदेशी निवेशकों के लिए भारत में पूंजी लाना आसान हो जाएगा तो उसी प्रकार भारतीयों के लिए भी अपनी पूंजी को बाहर ले जाना आसान हो जाएगा। रिजर्व बैंक के ही आंकड़े बताते हैं कि पिछले तीन वर्षों में हमारा पूंजी खाता ऋणात्मक रहा है यानी जितनी विदेशी पूंजी अपने देश में आई है उससे ज्यादा पूंजी अपने देश से बाहर गई है। इससे प्रमाणित होता है कि पूंजी का मुक्त आवागमन विपरीत दिशा में ज्यादा चल रहा है। जैसे दो टंकियों के बीच में एक वॉल लगा हो तो पानी उस तरफ ज्यादा जाएगा जहां पानी का स्तर कम होगा। इसी प्रकार विदेशी और भारतीय पूंजी के बीच में वॉल को खोल दें तो किस तरफ पूंजी का बहाव होगा यह इस पर निर्भर करेगा कि पूंजी का आकर्षण किस तरफ अधिक है।

कमेटी का दूसरा कथन है कि पूंजी के मुक्त आवागमन से अपने देश में पूंजी की लागत कम हो जाएगी और ब्याज दर कम हो जाएगी। लेकिन रिजर्व बैंक के ही आंकड़े इसी के विपरीत खड़े हैं जो कि बता रहे हैं हमारा पूंजी खाता ऋणात्मक है यानी पूंजी बाहर जा रही है और जिसके कारण अपने देश में पूंजी का मूल्य बढ़ रहा है, घट नहीं रहा है। कमेटी ने तीसरा तर्क दिया है कि पूंजी के मुक्त आवागमन से भारतीय कंपनियों द्वारा लिए जाने वाले लोन का विविधीकरण हो जाएगा। जैसे किसी कंपनी को यदि फैक्टरी लगानी हो तो कुछ पूंजी वह भारतीय बैंक से लेंगे, कुछ विदेशी बैंक से लेंगे, कुछ विदेशी निवेशकों से लेंगे। इस प्रकार उनके ऊपर जो लोन का भार है वह किसी एक स्रोत पर निर्भर होने के स्थान पर विविध स्रोतों पर बंट जाएगा और ज्यादा टिकाऊ होगा। यह बात सही है। कई कंपनियों ने हाल ही में विदेशी पूंजी का लोन लिया भी है। लेकिन जितना इन्होंने लिया है उससे ज्यादा बाहर भी गया है इसलिए यह विविधीकरण कंपनियों के लिए लाभप्रद रहा हो सकता है लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था को लाभ हुआ हो, ऐसा नहीं दिखता है। कमेटी के अनुसार चौथा लाभ भारतीय निवेशकों के लिए निवेश का विविध ीकरण है। भारतीय निवेशक विदेशी प्रॉपर्टी एवं शेयर बाजार के साथ-साथ भारतीय प्रॉपर्टी एवं शेयर बाजार में निवेश कर सकेंगे। लेकिन पुनः यह लाभ निवेशक विशेष को होगा। यह देश का लाभ नहीं है क्योंकि जब भारतीय निवेशक अपनी पूंजी को विदेशों में निवेश करते हैं तो भारत की पूंजी बाहर जाती है और भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर होती है। इन इस दृष्टि से कमेटी के दिए गए तर्क मान्य नहीं हैं। विशेष बात यह है कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि आपदा के समय विकासशील देशों को पूंजी के मुक्त आवागमन पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कोरिया और पेरू द्वारा कोविड संकट के दौरान ऐसे प्रतिबंध लगाने का स्वागत किया है। हमें भी इस दिशा पर विचार करना चाहिए। वर्तमान में हमारे सामने एक और संकट है कि अभी तक अमेरिकी फेडरल रिजर्व बोर्ड ने ब्याज दर शून्य के लगभग कर रखी थी। निवेशकों के लिए लाभप्रद था कि अमेरिका में लोन लेते और भारत में निवेश करते। लेकिन अब फेडरल रिजर्व बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि वे शीघ्र ही ब्याज दरों में वृद्धि करेंगे। यदि ऐसा होता है तो निवेशकों के लिए अपनी पूंजी को भारत से निकालकर अमेरिका ले जाना ज्यादा लाभप्रद हो जाएगा क्योंकि अमेरिका में निवेश को ज्यादा स्थाई और टिकाऊ माना जाता है। इसलिए हमको विचार करना चाहिए कि आखिर हमारी देश से पूंजी का पलायन हो क्यों रहा है।

# 2070 तक कार्बन-निरपेक्ष अर्थव्यवस्था की दिशा में भारत के रोडमैप को समर्थन देने में कृषि-वानिकी और टीओएफ की क्षमता

यूनाइटेड किंगडम के ग्लासगो में 2021 में आयोजित यूएनएफसीसी (संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मलेन) के कॉप26 के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत की प्रतिबद्धताओं में पंचामृत के पांच अमृत तत्वों को शामिल किया। निम्न प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में कृषि-वानिकी और वनों के बाहर वृक्षों के कार्यक्रम को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगीख़ वर्तमान और 2030 के बीच कुल अनुमानित उत्सर्जन में कम से कम एक बिलियन टन की कमी; देश की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करना, 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करना। केंद्रीय बजट-2022 चार हस्तक्षेपों में से एक के रूप में कृषि-वानिकी पर विशेष जोर देता है। 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में अतिरिक्त 2.5 से 3 बिलियन टन कमी लाने के एनडीसी लक्ष्य और अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने से संबंधित जलवायु कार्य-योजना रोडमैप, दूरदर्शी नेतृत्व की गंभीरता को दर्शाता है। इन लक्ष्यों में प्रमुख हैं- जैव विविधता संरक्षण, भूमि क्षरण तटस्थता (एलडीएन), जैव विविधता सम्मलेन (सीबीडी) के अंतर्गत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण प्रतिरोधक सम्मलेन (यूएनसीसीडी) आदि। 2019 में भारत में आयोजित यूएनसीसीडी कॉप-14 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बॉन चुनौती-प्राकृतिक परिदृश्य पुनर्स्थापना के तहत 21 एमएचए की घोषणा की थी, इसे कॉप26 में बढ़ाकर 2030 तक 26 एमएचए करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो किसी भी देश द्वारा लिया गया सबसे बड़ा संकल्प है। इन प्रतिबद्धताओं और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कृषि-वानिकी और वनों के बाहर वृक्षों (टीओएफ) की क्षमता का बेहतर उपयोग करने की आवश्यकता है। कृषि-वानिकी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं, विशेष रूप से कार्बन अवशोषण के जरिये कार्बन में कमी लाने के प्रावधान का विस्तार करती है और समावेशी आर्थिक अवसरों में वृद्धि करती है। कृषि-वानिकी और टीओएफ, ईंधन की लकड़ी तथा अन्य लकड़ी-उत्पाद की जरूरतों को पूरा करके प्राकृतिक वनों पर पडनेवाले दबाव को कम करते हैं।

कृषि-वानिकी और टीओएफ में निजी भूमि एवं खेतों में उगने वाले पेड़; शहरी क्षेत्रों में तथा सडकों, रेलवे लाइनों व नहरों के किनारों के वृक्ष; औद्योगिक क्षेत्रों में और उसके आस-पास के वृक्षारोपण; कृषि योग्य भूमि की हवा, क्षरण आदि से सुरक्षा के लिए लगाये जाने वाले पंक्तिबद्ध पेड़ और सरकार एवं अन्य संस्थानों की भूमि में लगे पेड़ आदि शामिल हैं। खेतों और अन्य निजी भूमि पर टीओएफ, किसानों को इमारती लकड़ी, ईंधन की लकड़ी, फलों और अन्य उत्पादों से आय और आजीविका प्रदान करते हैं। ये टीओएफ भारत सहित विभिन्न विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अतिरिक्त, टीओएफ सांस्कृतिक, सामाजिक और पारितंत्र कार्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण हैं, जो मानव आजीविका के लिए जरूरी हैं। टीओएफ कार्बन को अवशोषित करते हैं, मिट्टी को स्थिर करते हैं, पानी और हवा को साफ करते हैं, जल प्रवाह को नियंत्रित करते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े अन्य कार्य करते हैं। जब पेड़ सडकों और नहरों के किनारे, संस्थागत क्षेत्रों में या शहरी क्षेत्रों में लगाए जाते हैं, तो टीओएफ छोटे क्षेत्र की जलवायु को बेहतर बनाते हैं, छाया प्रदान करते हैं, कुछ वायु प्रदूषकों को अवशोषित करते हैं, हरे-भरे स्थानों को सुशोभित करते हैं, पक्षियों और अन्य छोटे जीवों के लिए घोंसला और आवास प्रदान करते हैं, स्टॉर्म-वाटर को विनियमित करने में मदद करते हैं और मानव कल्याण में योगदान देते हैं। हरियाणा राज्य ने प्रदर्शित किया है कि वन और प्राकृतिक संसाधनों की कमी वाला राज्य, जहां वन क्षेत्र के अंतर्गत केवल 3.5 प्रतिशत भूमि है और 80 प्रतिशत भूमि कृषि के तहत है, देश की खाद्य सुरक्षा और लकड़ी की सुरक्षा का समर्थन कर सकता है। यह मुख्य रूप से कृषि-वानिकी के अनुकूल नीतियों को बढ़ावा देने और वनों के बाहर पेड़ लगाने के लिए वृक्षारोपण अभियानों को प्रोत्साहित करने के कारण है।

# कई छोटे-बड़े कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है लूज पाउडर

लूज पाउडर एक मेकअप प्रोडक्ट है, जिसका इस्तेमाल अमूमन लिक्विड फाउंडेशन या फिर कंसीलर को सेट करने के लिए किया जाता है ताकि लंबे समय तक मेकअप ठीक रहे, लेकिन यह महज यहीं तक सीमित नहीं है। दरअसल, आप घर के छोटे-बड़े कामों के लिए और अन्य चीजों के विकल्प के रूप में लूज पाउडर का इस्तेमाल करके अपने कई कामों को बेहद आसान बना सकते हैं। आइए लूज पाउडर से जुड़े कुछ अद्भुत हैक्स के बारे में जानते हैं।

बतौर ड्राई शैंपू करें इस्तेमाल

अगर कभी आपके बाल बहुत ग्रेसी और फ्लैट दिखाई दें तो आप लूज पाउडर का इस्तेमाल ड्राई शैंपू के तौर पर कर सकते हैं। इसके लिए एक मेकअप ब्रश से अपने बालों की जड़ों में लूज पाउडर लगाएं और इसे 30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में किसी भी ब्रश से अतिरिक्त लूज पाउडर को सिर से झाड़ लें। ऐसा करने से आपको ग्रेसी बालों से छुटकारा मिल सकता है।

आईब्रो पर करें इस्तेमाल

जिस तरह से लूज पाउडर का इस्तेमाल करके फ्लैट और ग्रेसी बालों को थोड़ा बाउंसी लुक दिया जा सकता है, ठीक उसी तरह यह आईब्रो पर भी प्रभाव डाल सकता है। अगर आप अपनी आईब्रो को थोड़ा फुलर लुक देना चाहते हैं तो इसके लिए आप लूज पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए अपनी एक उंगली पर थोड़ा सा लूज पाउडर लेकर आईब्रो पर लगाएं। ध्यान रखें कि यह आपकी आंखों में न जाएं। आईलाइनर को लंबे समय तक खराब होने से बचाएं

अगर आपका आईलाइनर अक्सर खराब हो जाता है तो यकीनन लूज पाउडर आपके बेहद काम आने वाला है। आपको बस इतना करना होगा कि आईलाइनर से पहले अपनी आईलिड पर लूज पाउडर पर थोड़ी सी मात्रा लगाएं। इसके बाद अपने मनपसंद रंग का आईलाइनर लगाएं। यह तरीका न सिर्फ आपके आईलाइनर को हल्का स्मोकी लुक देगा, बल्कि आईलाइनर को लंबे समय तक खराब होने से भी बचाएगा। इसलिए इस तरीके को जरूर आजमाकर देखें।

बदबूदार जूतों से पाएं निजात

अगर आपका लूज पाउडर एक्सपायर हो चुका है तो आप उसका इस्तेमाल बदबूदार जूतों से निजात पाने के लिए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस रातभर के लिए एक्सपायर लूज पाउडर को जूतों के

अंदर छिडक कर रखना है और सुबह उन्हें साफ कर देना है। यकीन मानिए इससे आपके जूतों की बदबू गायब हो जाएगी। अगर आपके जूते भी बदबूदार हो गए हैं तो इस हैक को एक बार जरूर ट्राई करें।

बता दें कि मार्केट में लूज पाउडर की कीमत 150 रूपये से शुरू होकर 1000 रूपये तक है। वहीं, इसका अत्याधिक इस्तेमाल त्वचा संबंधित समस्याओं का कारण बन सकता है, इसलिए सीमित मात्रा में इसका उपयोग करें।

# ब्लश की बजाय अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, प्राकृतिक तरीके से गाल हो जाएंगे गुलाबी

अमूमन महिलाएं गालों को गुलाबी करने के लिए ब्लश या फिर लिपबाम को लगा लेती हैं, लेकिन ये मेकअप प्रोडक्ट्स केमिकल्स होते हैं, जिससे गालों को नुकसान भी पहुंच सकता है। अगर आप भी ऐसा ही कुछ करती हैं तो आज से ऐसा करना छोड़ दें। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने गालों को प्राकृतिक और सुरक्षित तरीके से गुलाबी कर सकती हैं।

नारियल का तेल लगाएं

नारियल के तेल में हाइड्रेटिंग और मॉइश्चराइजिंग गुण मौजूद होते हैं, जो गालों को प्राकृतिक तरीके से गुलाबी करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए आवश्यकतानुसार नारियल के तेल को हथेलियों पर मसलकर अपने चेहरे और गर्दन पर हल्के हाथों से मलते हुए लगाएं। इसके बाद टिश्यू पेपर से चेहरे और गर्दन से अतिरिक्त नारियल तेल को साफ कर दें। अच्छे परिणामस्वरूप हफ्ते में दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

चुकंदर आएगा काम

चुकंदर प्राकृतिक रूप से गहरे गुलाबी रंग का होता है, इसलिए इसकी मदद से गालों को गुलाबी किया जा सकता है। इसके लिए एक छोटे कंटेनर में एक चुकंदर (कद्दूकस किया हुआ), एक चम्मच चीनी और एक से दो चम्मच पानी या गुलाबजल डालकर मिलाएं, फिर इस मिश्रण से कुछ देर गालों को स्क्रब करें। इसके बाद चेहरे को पानी से धो लें। इसके अतिरिक्त, गुलाबी गाल पाने के लिए रोजाना एक गिलास चुकंदर का जूस भी पिएं।

गाजर का जूस करेगा मदद

गाजर का जूस विटामिन- सी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण से समृद्ध होता है, जो शरीर कोई स्वास्थ्य लाभ देने के साथ ही त्वचा को ग्लोइंग और गालो को गुलाबी बनाने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए एक कटोरी में आवश्यकतानुसार गाजर (कद्दूकस की हुई) और थोड़ा शहद मिलाएं, फिर इस मिश्रण को गालों पर हल्के हाथों से मलें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। अच्छे परिणामस्वरूप हफ्ते में दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

पर्याप्त मात्रा में करें पानी का सेवन

रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन कई तरह के त्वचा संबंधित लाभ दे सकता है। गुलाबी गाल पाने के लिए भी पानी का सेवन करना लाभदायक साबित हो सकता है। वहीं, जब आप फटे और रूखे गालों की समस्या का सामना करें तो ढेर सारा पानी पीना शुरु कर दें क्योंकि डिहाइड्रेशन भी फटे और रूखे गालों का एक कारण हो सकता है। पानी का सेवन डिहाइड्रेशन को दूर करके गालों को खूबसूरत बना सकता है।

# विटामिन- ए की कमी को दूर करने में सक्षम हैं ये स्वादिष्ट फल

अगर शरीर में पर्याप्त मात्रा में विटामिन- ए मौजूद हो तो यह फेफड़ों को कई तरह की समस्याओं से बचाए रखने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह अग्नाश्य और आंतों को स्वस्थ रखने में भी सहायक है। आमतौर पर लोग विटामिन- ए की कमी को दूर करने के लिए सप्लीमेंट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन आप चाहें तो कुछ फलों के सेवन से भी इसकी कमी दूर कर सकते हैं। आइए ऐसे ही कुछ फलों के बारे में जानते हैं।

चकोतरा

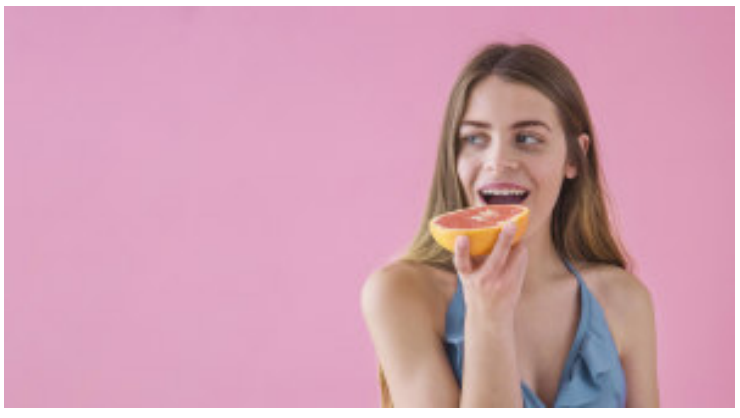

चकोतरा संतरे की तरह दिखने वाला फल है, जिसका अंदरूनी भाग गुलाबी रंग का होता है। यह फल विटामिन- सी और फोलेट के साथ-साथ विटामिन- ए का अच्छा स्त्रोत है, जो रोग प्रतिरोध क क्षमता को मजबूती देने से लेकर आंतों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। इसलिए चकोतरा को डाइट में शामिल करना फायदेमंद साबित हो सकता है। बता दें कि एक मध्यम आकार का चकोतरा खाने से लगभग 143 एमसीजी विटामिन- ए मिल सकता है।

गोजी बेरीज

गोजी बेरीज विटामिन- ए का बेहतरीन स्त्रोत है, इसलिए इसका सेवन फेफड़ों और आंतों में रोग पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लडने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, गोजी बेरीज में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड भी अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं, जो मस्तिष्क, हृदय और रक्त वाहिकाओं के लिए अच्छे होते हैं। बता दें कि आधी कटोरी गोजी बेरीज में लगभग 26,822 आईयू विटामिन- ए होता है, इसलिए इसे भी डाइट में जरूर शामिल करें।

पपीता

स्वाद में मीठा और रसीला पपीता एक बारहमासी फल है यानी आपको हर मौसम में यह आसानी से बाजार में मिल सकता है और इस फल में भरपूर मात्रा में विटामिन- ए पाया जाता है। बता दें कि 100 ग्राम पपीता में करीब 1000 द्ढ विटामिन- ए पाया जाता है। ऐसे में विटामिन- ए की पूर्ति के लिए इस स्वास्थ्यवर्धक फल को एक अच्छे विकल्प के तौर पर डाइट में शामिल किया जा सकता है।

आड़ू

शरीर से विटामिन- ए की कमी को दूर करने में आड़ू का सेवन भी मदद कर सकता है क्योंकि यह भी विटामिन- ए से समृद्ध होता है। इसके अतिरिक्त, आड़ू में फाइबर के साथ कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट भी मौजूद होते हैं, जो शरीर में गैस्ट्रिक एंजाइम के उत्पादन को सुविधाजनक बनाकर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने का काम करते हैं। इसके साथ ही आड़ू में शामिल एंटी-माइक्रोबियल गुण पाचन संबंधित समस्याओं से भी निजात दिलाने में सहायक साबित हो सकते हैं।

आजकल मार्केट कई तरह के विटामिन- ए सप्लीमेंट्स मौजूद हैं, लेकिन भूल से भी डॉक्टरी सलाह के बिना उनका सेवन न करें क्योंकि गलत एमजी के विटामिन- ए सप्लीमेंट्स स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकते हैं।

# अल्मोड़ा पुलिस ने गांजा तस्करी में शामिल तीन तस्करों पर लगाया गैंगस्टर एक्ट

अल्मोड़ा। जिले में नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश देने वाले एसएसपी देवेंद्र पींचा के नेतृत्व में पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है। थाना देघाट पुलिस ने गांजा तस्करी में लिप्त तीन तस्करों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष देघाट दिनेश नाथ महंत के नेतृत्व में गुरुवार को इन तस्करों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत थाना

देघाट में मुकदमा दर्ज किया गया। देघाट पुलिस ने बीती 5 मई को टाटा नेक्सॉन कार संख्या डीएल 14-सीजे -1385 से 29.986 किलो अवैध गांजा बरामद किया था। इस मामले में हिमांशु रावत उर्फ मकाऊ, कमल सिंह और दीपक कुमार को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। गांजा की बरामदगी की कीमत 7 लाख रुपये से अधिक आंकी गई थी। जांच में खुलासा हुआ कि तीनों आरोपी एक गैंग बनाकर देघाट क्षेत्र समेत अन्य जिलों में गांजा तस्करी करते थे। इनके इस अवैध धंधे से युवा पीढ़ी को नशे की गर्त में धकेलने के साथ ही समाज को भी आर्थिक और मानसिक नुकसान हो रहा था। मुख्य आरोपी हिमांशु रावत उर्फ मकाऊ गैंग का लीडर है। वह पहले भी कई आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है। उसके खिलाफ थाना देघाट और नैनीताल जिले के रामनगर थाने में एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं।

# 59.60 ग्राम स्मैक के साथ दो नेपाली नागरिक समेत तीन गिरफ्तार

रुद्रपुर। गुरुवार की रात पुलिस ने बंदे के पास वाटर स्पोर्ट्स तिराके 59.60 ग्राम स्मैक के साथ दो नेपाली नागरिकों समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार लखविंदर सिंह उर्फ लक्खी पुत्र कलवंत सिंह निवासी बिजली कॉलोनी नानकमत्ता की थी। जबकि गणेश बहादुर पुत्र वीर बहादुर निवासी वेदकोट कंचनपुर नेपाल, अनिल कठैत पुत्र तिलक कठैत निवासी वेदकोट कंचनपुर नेपाल के पास से तीन पन्नियों में 53 ग्राम, 3.5 ग्राम, 3.10 ग्राम कुल 59.60 ग्राम स्मैक व स्कूटी बरामद की। मौके से लगभग 5000 की नेपाली मुद्रा, 2000 रुपये भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार व स्कूटी को सीज कर दिया है। एसओ उमेश कुमार ने बताया कि एसएसपी मणिकांत मिश्रा को स्पेशल ब्रांच, नेपाल सीमा से अभियुक्त सुखदेव और उसके भाई लखविंदर के खिलाफ शिकायतें मिली थीं। इस मामले में, स्पेशल ब्रांच के अधिकारियों ने भी गिरफ्तार अभियुक्तों से गहन पूछताछ की है। साथ ही, नेपाल की पुलिस को भी इस कार्रवाई के बारे में सूचित कर दिया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त लखविंदर पहले भी दो बार एनडीपीएस अधिनियम के तहत जेल जा चुका है। 10 जुलाई को गिरफ्तार लखविंदर के भाई सुखदेव को नेपाली तस्कर के साथ नानकमत्ता पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। नेपाली नागरिक यहां स्मैक खरीदने आए थे। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि लखविंदर की संपत्ति की जांच भी की जाएगी। पुलिस टीम में उप निरीक्षक राजेंद्र पंत, उप निरीक्षक मनोज जोशी, गिरीश चन्द्र, नवीन जोशी, प्रकाश आर्य, राजकुमार शामिल रहे।

## जेल का निरीक्षण कर सचिव ने जाना कैदियों का हाल

उत्तरकाशी। नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अंतर्गत कैदियों के अधिकारों और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी के सचिव सचिन कुमार ने नई टिहरी स्थित जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान सचिव ने जेल में बीमार कैदियों का हाल जाना। वहीं, जेल प्रबंधन की ओर से कैदियों को दिए जा रहे उपचार की प्रभावशीलता और उपचार के तरीके के संबंध में जानकारी ली। उत्तरकाशी में स्थनांतरण होकर आए नव नियुक्त जिला विधिक प्राधिकरण के सचिव सचिन कुमार ने बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तराखंड नैनीताल के अनुपालन में नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस के तहत जुलाई माह में जेल सुधार और विधिक गतिविधियों के माध्यम से कैदियों के अधिकारों और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शुक्रवार को टिहरी क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। जहां जेल में बीमार कैदियों से बातचीत की गई। उन्होंने कैदियों की समस्याओं को जाना और उन्हें दिए जा रहे प्रभावशीलता और उपचार के तौर तरीकों की जानकारी दी। इस मौके पर न्याय मंडेला दिवस कारागार सुधार अभियान भी चलाया गया।

## गंगोत्री गर्ब्याल की छात्राओं ने चलाया पौधरोपण अभियान

पिथौरागढ़। नगर के खड़कोट स्थित गंगोत्री गर्ब्याल बालिका विद्यालय की छात्राओं ने पौधरोपण अभियान चलाया। प्रधानाचार्य हंसा धामी, प्रवक्ता शहजादी गोसिया के नेतृत्व में छात्राएं पुनेड़ी क्षेत्र स्थित वन भूमि क्षेत्र पहुंचे। कार्यक्रम में सीईओ हरक राम कोहली भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण के महत्व के बारे में समझाया। साथ ही पौधरोपण के लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित करने को कहा। बाद में सीईओ, शिक्षिकाओं और छात्राओं ने मिलकर फलदार व छायादार प्रजाति

के पौधों का रोपण किया। यहां हिमानी जोशी, सुकीर्ति विनोद, जीवंती खाती, सीमा, हेमा मेहर, उषा उप्रेती, निर्मला कुमार आदि मौजूद रहे।

# ग्रामोत्थान ( रीप ) परियोजना ने खुशी स्वयं सहायता समूह को बनाया लखपतिः फूलों की खेती से खुली समृद्धि की राह

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार आकांक्षा कोण्डे के निर्देशों के क्रम में जनपद हरिद्वार के समस्त विकासखंडों में

अल्ट्रा पूवर सपोर्ट, एंटरप्राइजेज (फॉर्म - नॉन फॉर्म), सीबीओ लेवल के एंटरप्राइजेज की स्थापना की गई है। इसी कड़ी में, ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से, नारसन विकासखंड के हरचंदपुर गांव के श्खुशी स्वयं सहायता समूहश ने फूलों की खेती (फ्लोरीकल्चर) के अपने व्यवसाय को नई पहचान और समृद्धि दिलाई है।

पहले, श्खुशी स्वयं सहायता समूहश फूलों की खेती अत्यंत सूक्ष्म स्तर पर कर रहा था। समूह की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी और वे जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं भी पूरी नहीं कर पा रहे थे। तभी एन.आर.एल.एम. की टीम उनके पास पहुँची और उन्हें समूह से जुड़ने के लाभों के बारे में बताया गया, जिसके परिणामस्वरूप श्खुशी स्वयं सहायता समूहश का गठन हुआ। समूह गठन की तिथि 16 जनवरी, 2025 है और इसकी अध्यक्षा आंचल देवी हैं। समूह से जुड़ने के बाद, उन्हें ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना से न केवल आर्थिक और सामाजिक सहयोग मिला, बल्कि फ्लोरीकल्चर उत्पादन को व्यावसायिक ढंग से करने का प्रशिक्षण भी प्राप्त हुआ, जिसने उनकी सफलता की यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया।

ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना ने श्खुशी स्वयं सहायता समूहश को ग्राम मुंडलाना में स्थापित श्श्री राधे कृष्णा बहुद्देश्यीय स्वायत्त सहकारिता (सी.एल.एफ.)श से जोड़ा। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, नारसन ब्लॉक द्वारा समूह के लिए 10 लाख रुपये का एक विस्तृत व्यावसायिक प्लान तैयार किया गया। इस योजना के तहत, समूह को बैंक से 3 लाख रुपये का ऋण दिलाया गया, साथ ही लाभार्थियों ने स्वयं 1 लाख रुपये का अंशदान किया और परियोजना द्वारा 6 लाख रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की गई। इस महत्वपूर्ण सहयोग से लाभार्थियों के पास कार्यशील और स्थायी पूंजी का वह अभाव दूर हो गया, जो उनके व्यवसाय के विस्तार में बाधा बन रहा था।

आज, श्खुशी स्वयं सहायता समूहश पूरे उत्साह के साथ अपने व्यवसाय को बढ़ा रहा है। वर्तमान में वे 9 बीघा जमीन पर गेंदे के फूलों की खेती कर रहे हैं और एक सफल व्यावसायिक इकाई के रूप में स्थापित हो चुके हैं। पिछले छह महीनों (एक साइकिल) में, समूह ने 20,000 पौधे घ12 प्रति पौधे की दर से खरीदे, कुल घ2,40,000 की लागत आई। उन्होंने 30,000 किलोग्राम फूल घ30 प्रति किलोग्राम की दर से बेचे, जिससे घ9,00,000 की बिक्री हुई। सभी खर्चों (जैसे खाद, बीज, भूमि किराया, मजदूरी, परिवहन, आदि) को घटाने के बाद, समूह ने घ4,21,800 का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। श्खुशी स्वयं सहायता समूहश की यह सफलता प्रधानमंत्री जी द्वारा देखे गए श्लखपति दीदीश के सपने का एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह कहानी उन सभी के लिए प्रेरणा है जो दृढ़ संकल्प और सही समर्थन से अपनी और अपने परिवार की जिंदगी बदल सकते हैं।

# मुख्यमंत्री धामी ने नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारे में टेका मत्था

उधमसिंह नगर। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान उधमसिंह नगर के पावन नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए कामना की। उन्होंने गुरुद्वारे में दर्शन कर शांत वातावरण में कुछ समय व्यतीत किया एवं सिख परंपराओं और संतों की शिक्षाओं को नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारे में उपस्थित छोटे बच्चों से आत्मीय संवाद किया, उन्हें स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया और शिक्षा व सेवा की भावना को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। बच्चों के चेहरों पर मुख्यमंत्री से मिलने का विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिला। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि नानकमत्ता साहिब केवल एक तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक केंद्र है जो सेवा, करुणा और समानता जैसे मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड धार्मिक पर्यटन का अद्वितीय केंद्र बनता जा रहा है, और राज्य सरकार इस दिशा में हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने क्षेत्र की जनता को हरेला पर्व की शुभकामनाएं भी दीं और प्रदेश को हरित, स्वच्छ एवं विकसित उत्तराखंड बनाने के संकल्प को दोहराया। मुख्यमंत्री के साथ प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। गुरुद्वारा प्रबंधन द्वारा मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र अभिनंदन किया गया

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आर्फसेट प्रिंटर्श 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

**सम्पादकः**
**गार्गी मिश्रा**
8765441328

**समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।**